

सावन माह के पहले सोमवार को बाबा महाकाल ने चंद्रमौलेश्वर रूप में पालकी में विराजमान होकर प्रजा को दिए दर्शन

सवारी मार्ग पर बटुकों के वैदिक उद्घोष के साथ रही भीड़



महाकाल की सवारी के बाद निगम की त्वरित सफाई



बाबा महाकाल की सवारी संपन्न होने के तुरंत बाद नगर निगम ने सवारी मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाकर कुछ ही समय में पूरे मार्ग को स्वच्छ एवं व्यवस्थित कर दिया। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर 70 से अधिक सफाई मित्र, तीन स्वच्छता निरीक्षक, तीन स्वास्थ्य अधिकारी सहित निगम का अमला तत्काल सफाई कार्य में जुट गया। सवारी के दौरान मार्ग पर फैले कचरे और अन्य अपशिष्ट को तेजी से हटाया गया, जिससे आवागमन भी शीघ्र सामान्य हो गया। सफाई व्यवस्था बहाल होने पर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने निगम के सफाई मित्रों की तत्परता की सराहना की। नगर निगम ने श्रद्धालुओं से अपील की कि धार्मिक आयोजनों के दौरान कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और "स्वच्छ उज्जैन-स्वस्थ उज्जैन" अभियान में सहभागी बनें। निगम ने संदेश दिया कि आस्था के साथ स्वच्छता बनाए रखना भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

सावन माह के पहले सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी धूमधाम से निकली। भगवान महाकाल चंद्रमौलेश्वर रूप में पालकी में विराजमान होकर प्रजा को दर्शन देने निकले। बाबा महाकाल चांदी की पालकी में सवार होकर निकले। पालकी के पीछे हाथी पर भगवान मनमोहन

की प्रतिमा विराजित है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि इस बार भी सवारी में अलग-अलग थीम रखी गई हैं। इस बार पहली सवारी में बटुकों का वैदिक उद्घोष होगा। इसके बाद हर सवारी में अलग थीम और भव्यता के साथ बाबा महाकाल की सवारी निकली। इस बार कावड़ यात्रियों के लिए मंदिर

समिति की ओर से इंदौर-उज्जैन-देवास-बड़नगर मार्ग पर निःशुल्क भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है। साथ ही, आने वाली भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति के सभी कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। बता दें, रात 2.30 बजे महाकाल मंदिर के पट खोले गए। सोमवार रात से ही महाकाल मंदिर में दर्शन करने वाले भक्तों की भारी भीड़ रही।

महादेव के जयघोष से उज्जैन हुआ शिवमय

हजार-हर महादेव के जयघोष से पूरी उज्जैन नगरी शिवमय दिखाई दे रही है। इस दौरान महाकाल की पहली सवारी में भगवान महाकाल के मनमोहन रूप के दर्शन पाने के लिए दो घंटे पहले से बड़ी संख्या में भक्त सड़कों पर अपनी जगह रोककर खड़े रहे। सबसे पहले सभा मंडप में पालकी पूजन किया गया। इसके पश्चात सवारी महाकाल चौराहे से गुदरी चौराहा, कार्तिक चौक, हरसिद्धि की पाल होते हुए रामघाट पहुंचेगी। शिप्रा नदी पर सवारी के दौरान मां क्षिप्रा के जल से बाबा महाकाल के अभिषेक-पूजन के पश्चात सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर वापस आएगी। सावन के प्रत्येक सोमवार को महाकाल राजा की सवारी निकालने का विधान है। इस साल सावन माह में 4 और भादो माह में 2 सवारियां निकाली जाएंगी।

शिप्रा तट पर पहुंचे राजाधिराज महाकाल

राजाधिराज बाबा महाकाल की शाही सवारी निर्धारित मार्ग से होती हुई शिप्रा नदी के पवित्र तट पर पहुंची। बाबा के दर्शन के लिए घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शिप्रा तट पर आशीष पुजारी ने बाबा महाकाल का पवित्र शिप्रा जल से विधि-विधान के साथ पूजन और अभिषेक किया।

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 में मेले की सुरक्षा व्यवस्था में भी आधुनिक तकनीक का महत्वपूर्ण उपयोग होगा

प्रदेश पुलिस हाईटेक फिक्स विंग ड्रोन से लेस हुई ,उज्जैन में डेमो देखा

उज्जैन, भोपाल, इंदौर में बनेंगे इनके लिए कंट्रोल स्टेशन

दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

प्रदेश पुलिस की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था अब नई तकनीक से और मजबूत होने जा रही है। पुलिस को पहली बार 100 किलोमीटर तक उड़ान भरने में सक्षम तीन हाईटेक फिक्स विंग ड्रोन मिले हैं। ये बिर्यान्ड विजुअल लाइन ऑफ साइट तकनीक से लेस हैं, यानी इन्हें ऑपरेटर की आंखों की सीधी पहुंच से बाहर भी लंबी दूरी तक नियंत्रित किया जा सकता है। करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये लागत वाले इन तीनों ड्रोन का उपयोग वीआईपी मूवमेंट, भीड़ प्रबंधन, रियल टाइम सर्विलांस, सर्च ऑपरेशन और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में किया जाएगा। इधर उज्जैन में भी सिंहस्थ के लिए ड्रोन का डेमो लिया गया है।



उज्जैन में 5 किमी निगरानी ड्रोन का डेमो

सिंहस्थ-28 में अनुमानित 40करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन आधुनिक तकनीक, डिजिटल निगरानी और स्मार्ट प्रबंधन प्रणाली को प्राथमिकता दे रहा है। सिंहस्थ की सुरक्षा व्यवस्था हाईटेक करने के उद्देश्य से हाल ही में शिप्रा नदी के तट स्थित राणोजी की छत्री पर आधुनिक ड्रोन तकनीक का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया। चेन्नई, दिल्ली और गुरुग्राम की विशेषज्ञ कंपनियों ने ऐसे हाईटेक ड्रोन का प्रदर्शन किया, जो लगभग 8 किलोमीटर के दायरे तक प्रभावी निगरानी करने में सक्षम हैं।

पुलिस मुख्यालय को मिले इन ड्रोन के संचालन के लिए भोपाल, इंदौर और उज्जैन में अलग-अलग ग्राउंड कंट्रोल

डेमों के दौरान ड्रोन की तकनीकी क्षमता, रेंज, कैमरा गुणवत्ता और आपदा प्रबंधन में इसके उपयोग की विस्तृत जानकारी अधिकारियों ने प्राप्त की। डेमो के दौरान अलग-अलग तकनीक के ड्रोन को उड़ानकर शिप्रा नदी के तट, घाटों, प्रमुख मार्गों, आसपास की गलियों और मेला क्षेत्र की गतिविधियों का लाइव सर्विलांस प्रदर्शित किया गया। ड्रोन कैमरों से प्राप्त तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से यह बताया गया कि किस प्रकार भीड़ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सकती है और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सकती है। भीड़ प्रबंधन नई तकनीक के माध्यम से और इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के माध्यम से होना है। उसमें ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जाएगा। इसमें एक कैथोड ड्रोन का प्रदर्शन भी शामिल रहा है। जिसमें डेटा का ट्रांसमिशन तेज होता है। कुछ ड्रोन ऐसे भी उड़ाए गए जो बिना वायर के थे जो तेज गति से आठ किलोमीटर तक की रेंज तक जा सकते हैं। जिससे कहीं भी अचानक मूव करना हो तो ड्रोन वहां जा सकता है। कुछ ड्रोन पीए सिस्टम के साथ अनाउंसमेंट के लिए उपयोग किए जा सकते हैं। कुछ ड्रोन आपातकालिन स्थिति के लिए उपयोग किए जा सकते हैं। आगामी सिंहस्थ 2028 के दौरान मेला क्षेत्र में इन अत्याधुनिक ड्रोन का उपयोग केवल सुरक्षा निगरानी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए भी किया जाएगा। ड्रोन के माध्यम से किसी भी स्थान पर भीड़ का दबाव, मार्गों की स्थिति, घाटों पर श्रद्धालुओं की संख्या तथा संभावित व्यवस्थाओं की वास्तविक समय (रियल टाइम) में जानकारी कंट्रोल रूम तक पहुंचाई जा सकेगी। इससे निर्णय लेने और राहत एवं बचाव कार्यों को गति मिलेगी।

सिंहस्थ जैसे आयोजन पर रहेगी आसमान से नजर

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ मेले की सुरक्षा व्यवस्था में भी इनका महत्वपूर्ण उपयोग होगा। इनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये दिन और रात दोनों समय लगातार छह घंटे तक उड़ान भर सकते हैं। उड़ान के दौरान हाई-रिजोल्यूशन फोटो, वीडियो और अन्य डेटा सीधे कंट्रोल स्टेशन तक पहुंचाते हैं। तकनीकी रूप से ये इतने सक्षम हैं कि उड़ान के दौरान यदि कोई तार, पेड़ या अन्य बाधा सामने आती है तो बिना ऑपरेटर के हस्तक्षेप के स्वयं रास्ता बदल लेते हैं। ड्रोन का उपयोग सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी, अपराधियों की तलाश, आपदा प्रबंधन और बड़े आयोजनों की सुरक्षा में भी किया जाएगा। भोपाल स्थित स्टेट कमांड सेंटर में इसका प्रमुख ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन तैयार किया जा रहा है।

इससे किसी एक शहर में बैठा ऑपरेटर दूसरे जिले में भी ड्रोन के जरिए निगरानी कर सकेगा।

सावन शिवरात्रि के अगले दिन लगेगा सूर्य ग्रहण



दैनिक अवन्तिका ►► उज्जैन

इस वर्ष 11 अगस्त 2026 को सावन शिवरात्रि मनाई जाएगी। यह पर्व भगवान शिव की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि, इस दिन शिवलिंग पर जलाभिषेक और विधि-विधान से पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। साथ हीभ भाग्य में सकारात्मक बदलाव महसूस होता है। ज्योतिषियों की मानें, तो इस बार सावन शिवरात्रि के अगले दिन, यानी 12 अगस्त 2026 को सूर्य ग्रहण भी लगने जा रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहण काल को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल नहीं माना जाता है। इसलिए इस दौरान पूजा-पाठ और अन्य मांगलिक कार्यों को लेकर कई नियमों का पालन किया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं सूर्य ग्रहण का समय, सूतक काल और भारत में इसका प्रभाव।

किन-किन देशों में दिखाई देगा ग्रहण ?

साल का आखिरी सूर्य ग्रहण अटलांटिक महासागर, आर्कटिक क्षेत्र, ग्रीनलैंड, आइसलैंड और उत्तरी स्पेन में देखा जाएगा। साथ ही फ्रांस, ब्रिटेन, इटली सहित यूरोप के कई देशों में भी यह आंशिक रूप से नजर आने वाला है।

सावन शिवरात्रि 2026

पंचांग के अनुसार, सावन शिवरात्रि की चतुर्दशी तिथि 11 अगस्त 2026 को सुबह 4:53 बजे से शुरू होकर 12 अगस्त को रात 1:51 बजे तक रहेगी। तिथि के अनुसार, 11 अगस्त 2026 को ही सावन शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। चूंकि इस दिन ग्रहण का साथ नहीं है, इसलिए विधि-विधान से महादेव की पूजा और जलाभिषेक किया जा सकेगा।

पूजा का शुभ समय

प्रथम प्रहर: शाम 7:04 बजे से रात 9:45 बजे तक
द्वितीय प्रहर: रात 9:45 बजे से 12:26 बजे तक
तृतीय प्रहर: रात 12:26 बजे से सुबह 3:07 बजे तक
चतुर्थ प्रहर: सुबह 3:07 बजे से सुबह 5:49 बजे तक

न्यूज कॉलम

रेप के आरोपी महामंडलेश्वर ज्ञानदास का साधु समाज ने किया बहिष्कार

उज्जैन। निर्मोही अखाड़े के महामंडलेश्वर ज्ञानदास पर युवती द्वारा दुष्कर्म लगाए जाने के बाद से साधु समाज ने उनका बहिष्कार कर दिया है। इसके साथ ही आश्रमों और मठों में उनकी एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। घटना से नाराज साधु समाज ने निर्मोही अखाड़े के अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास महाराज को लेकर लिखकर उन्हें हटाने की मांग की गई है। पिछले दिनों महाकाल पुलिस ने युवती की शिकायत पर महामंडलेश्वर ज्ञानदास के लिखाफ केस दर्ज किया था। महामंडलेश्वर पर लगे दुष्कर्म के आरोप ने साधु समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाी है। परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वर दास महाराज सहित महामंत्री महंत रामेश्वर मिश्र महाराज ने इस पर रोष जताते हुए उन्हें अखाड़े के किसी भी स्थान प्रवेश पर रोक लगा दी है।

नैनो न्यूज

- महारासंध की बैठक में चेतावनी दी गई कि पुजारियों की मांगें नहीं मानी गईं तो देशभर में सत्याग्रह किया जाएगा।
- लाठी खेल प्रतियोगिता में 128 खिलाड़ियों ने दिखाया कौशल, जौते 57 स्वर्ण पदक, 62 रजत और 69 कांस्य पदक अपने नाम किए।
- पदोन्नत कृषि विकास अधिकारियों का हुआ सम्मान, मुख्यमंत्री का माना आभार, कार्यक्रम में संगठन मंत्री मनोहर गिरी का भी किया स्वागत।
- 18 से मक्खी रोड पर गुंजेगी शिव महापुराण की महिमा, 25 अगस्त को भव्य कलश यात्रा निकालने का निर्णय।
- फिर मिलोगे कभी इस बात का वादा कर लो, अभिरंग में गुंजे ओ.पी. नैयर के ब्लॉकबस्टर गीत, स्वरांजली ने इस कार्यक्रम में नवाचार किया।
- मानव अधिकार वेलफेयर एंड जस्टिस एसोसिएशन के अब्दुल कादर अक्कड़वाला मुख्य अधिकारी नियुक्त।

